विशव सत्संग सभा

2020 -21

. शिक्षा जागरूकता
. कोविड-19 महामारी सहायता
. महिला सशक्तिकरण
. अच्छा और बुरा स्पर्श अभियान
. चिकित्सा शिविर
. स्वच्छता किट अभियान
. पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम
. जूता वितरण अभियान
. चित्रकारी प्रतियोगिता
. ऑनलाइन लाइव सत्र

संस्थापक

गरीब बच्चों के विकास, महिला सशक्तिकरण, वृद्ध लोगों और जरूरतमंद लोगों का समर्थन करने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हमारे राष्ट्र के विकास के लिए कुछ करने के उद्देश्य से संगठन की स्थापना की गई है।

यह संगठन अभियान और कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सही रास्ते पर लाने के लिए उनके विकास के लिए भी काम करता है।

शिक्षा का अधिकार और स्वास्थ्य का अधिकार कुछ बुनियादी चीजें हैं जो इस दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को प्रदान की जानी चाहिए, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति कुछ भी हो।

साथ ही हमारा उद्देश्य लोगों को सिर्फ पढ़ाना नहीं है, बल्कि उन्हें जीवन की सभी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच बनाने की क्षमता प्रदान करना है, जिससे वे खुद का और अपनी आने वाली पीढ़ी का सम्मान कर सकें।

ठाकुर दलीप सिंह
(वर्तमान आध्यात्मिक प्रमुख नामधारी सिख)

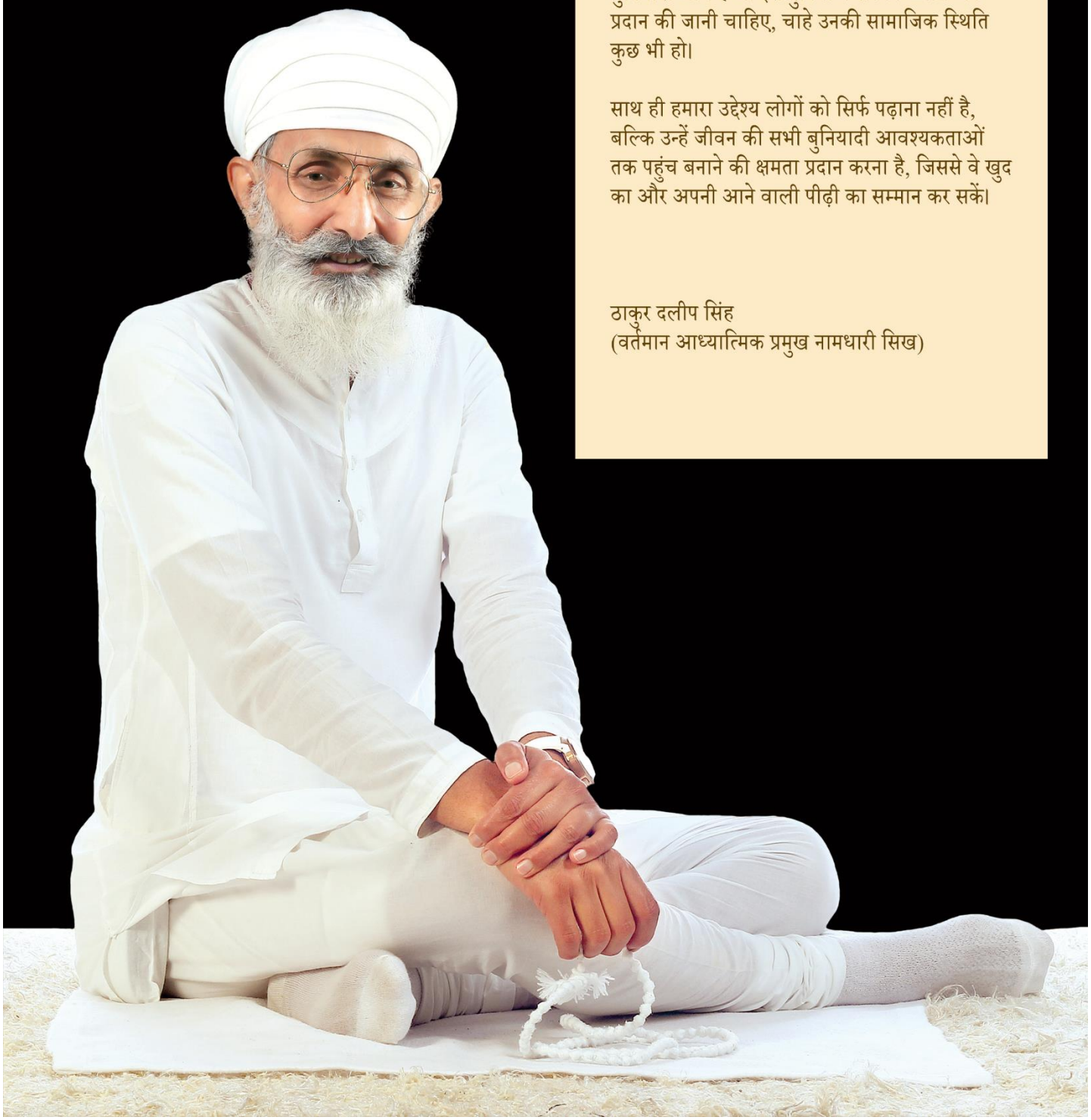

शिक्षा केन्द्र

5
राज्य

16
केंद्र

7000+
छात्र

नई दिल्ली

त्रि नगर
रघुबीर नगर
विष्णु गार्डन
केशोपुर मंडी
तिलक नगर
साहिबपुरा
चंदर विहार
मायापुरी

अन्य शहर

श्री जीवन नगर
अमृतसर
पटियाला
चंडीगढ़
लुधियाना
हिमाचल मंडी
कानपुर
साहिबाबाद
रानिया

शिक्षा केन्द्र

jitsamachar.com

विश्व सत्संग सभा ने गरीब बच्चों के लिए खोली पाठशाला

विश्व संस्था सभा के अधिकारी व वर्कर बच्चों के साथ।

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर (बलविन्द्र सिंह सोढी): विश्व सत्संग सभा पिछले समय से लगातार समाज सेवा में जुटी हुई है। संस्था के द्वारा दिल्ली के रघुबीर नगर, एक पाठशालाका प्रबंध किया है। जिसके बीच उन बच्चों को लिया जा रहा है जोकि पढ़ाई के प्रति बिल्कुल वंचित रह गये हैं और न ही उनके पास कोई साधन या पैसे हैं। इसके साथ ही उनके परिवारों में कितनी गरीबी है कि वह अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए असमर्थ हैं। विश्व सत्संग सभा के सभी अधिकारी व वर्कर ऐसे बच्चों को पढ़ाई करवाने और बाद में उनको स्कूलों को भेजने में सहायता करेंगे। इस अवसर पर दविन्द्र खंडेलवाल, प्रीती सिंह, सलिया कौर, रमन कोहली, गुरदीप सिंह, लोकेश गोयल आदि शामिल हैं।

ांध चिकित्सकों ने दिया सांकेतिक धरना

स्लम बच्चों की शिक्षा

साइकिल की सवारी के माध्यम से जागरूकता

विद्या दाते दशमेश प्रगटे आप परमेश - ठाकुर दलीप सिंह जी द्वारा प्रवज्जलित अभियान

हमारे समाज के गरीबी से पीड़ित वर्गों पर ध्यान केंद्रित करना और उन्हें स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षा सबसे आवश्यक कारकों में से एक है जो किसी देश के समग्र विकास को प्रभावित करती है। आज के समय में, दुनिया के लगभग आधे बच्चे झुग्गी-झोपड़ियों में बड़े हो रहे हैं और ये बच्चे इन सभी सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हैं और उनकी परिस्थितियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है ताकि वे एक उत्पादक जीवन जीने के लिए उत्कृष्ट कौशल से लैस हो सकें। COVID-19 महामारी की वर्तमान स्थिति में, शहरी और साथ ही ग्रामीण झुग्गी आबादी वह है जो वायरस के प्रसार के लिए बेहद संवेदनशील है। इस भयानक चरण के दौरान उनका स्वास्थ्य और शिक्षा प्रभावित हो रही है। उनके पास न तो उस गरीब क्षेत्र में बैठे आभासी कक्षाओं में शामिल होने की सुविधा है, न ही शिक्षा तक पहुंच के लिए एक गैजेट खरीदने या एक निजी ट्यूटर को किराए पर लेने की व्यवहार्यता है। वर्तमान समय में हम सभी के लिए इसके लिए अपनी आवाज उठाना बेहद जरूरी है। इसलिए, हम विश्व सत्संग सभा के लोगों ने 20 सितंबर 2020 (रविवार) को सुबह 5:00 बजे "साइकिल सवारी कार्यक्रम" आयोजित करके स्लम शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की, जो रमेश नगर (मेट्रो स्टेशन) से शुरू हुई और समाप्त हुई राष्ट्रपति भवन में सभी उम्र और अनुभव के स्तर के लोगों का स्वागत किया गया और हमने यह कदम उठाया ताकि हम अपने समाज के सभी लोगों के बीच इस जागरूकता को फैला सकें क्योंकि हमें इन आवश्यक लोगों की स्थिति में पर्याप्त सुधार लाने के लिए उनके समर्थन की इच्छा है। क्योंकि उनके योगदान से निश्चित रूप से फर्क पड़ेगा।

पौधा वितरण

200 +
पौधे

20
पेड़

कड़ी पत्ता, चम्पा पेड़,
लॉकडाउन, जामुन के पेड़, अर्जुन पेड़

हरियावल अभियान

हरियावल एक सशक्त क्रिया-उन्मुख पर्यावरण शिक्षा मॉडल है जहां पूरे स्कूल को अपने स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र में स्थिरता के सिद्धांतों का पता लगाने, समझने और लागू करने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह संरक्षण के दृष्टिकोण और टिकाऊ जीवन शैली विकल्पों को अपनाने के लिए ज्ञान, कौशल और कार्य क्षमता को बढ़ाकर छात्रों के बीच संरक्षण नेतृत्व के निर्माण पर केंद्रित है।

हरियावल का उद्देश्य शिक्षकों को संसाधनों और शिक्षण पद्धतियों के साथ सशक्त बनाकर स्कूलों की शिक्षा प्रणाली में पर्यावरण शिक्षा के दृष्टिकोण को शामिल करना है जो उन्हें प्रभावी ढंग से पर्यावरण जागरूकता प्रदान करने में सक्षम बनाता है। 2018 में अपनी शुरुआत के बाद से, हरिवाल कार्यक्रम 10 सरकारी स्कूलों में 20,000 से अधिक छात्रों को सशक्त बना रहा है।

उद्देश्य १

स्कूलों में पर्यावरण शिक्षा के सक्रिय कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण।

उद्देश्य २

कक्षा और जमीनी गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के बीच संरक्षण नेतृत्व का निर्माण करना जो पर्यावरण के ज्ञान और प्रशंसा के साथ-साथ संरक्षण की आदतों, व्यवहारों और दृष्टिकोणों को बढ़ाते हैं।

उद्देश्य 3

पर्यावरण शिक्षा को स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख घटक के रूप में शामिल करने के लिए सरकार के साथ वकालत में संलग्न होना

हरियावल अभियान

हमारी धरती माँ वर्तमान में बहुत सारी पर्यावरणीय चिंताओं का सामना कर रही है। ग्लोबल वार्मिंग, एसिड रेन, वायु प्रदूषण, शहरी फैलाव, अपशिष्ट निपटान, ओजोन परत की कमी, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय समस्याएं और इस ग्रह पर हर इंसान, जानवर और राष्ट्र को प्रभावित करती हैं। वायु प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए कार्रवाई का वैश्विक आह्वान। इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और जलवायु परिवर्तन की दर को धीमा करते हुए कार्रवाई करने और वायु गुणवत्ता लक्ष्य निर्धारित करने के लिए दुनिया भर की उप-राष्ट्रीय सरकारों और व्यक्तियों को जुटाना है। पर्यावरण अभियानों का उद्देश्य आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना और अधिक पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना है। इन परिवर्तनों में पर्यावरण और सचेत तरीके से खरीदारी, वस्तुओं का ठीक से निपटान करना और पर्यावरणीय विषयों पर सभी को शिक्षित करने के संगठित प्रयासों में शामिल होना शामिल हो सकता है।

ट्री हग अभियान

[www.treehug.in]

पृथ्वी सभी जीवों का प्राकृतिक आवास है। पृथ्वी हमारी माता है और एक मात्र ऐसा ग्रह है जो जीवन की सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। पेड़ धरती की शोभा हैं। वृक्षों की उपस्थिति पृथ्वी के जीवन काल को बढ़ाती है। जिससे पृथ्वी का पर्यावरण वृक्षों पर टिका है। पेड़ न केवल पृथ्वी के पर्यावरण का अलंकरण हैं बल्कि वे पृथ्वी के वायुमंडल के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

माँ शब्द ने सारी सृष्टि रची है। माँ दिखने में एक छोटा सा शब्द है, लेकिन प्यार, स्नेह और देखभाल जो उसे वहन करती है वह भारी है। हमें धरती से उतना ही प्यार करना चाहिए जितना हम अपनी मां से करते हैं। मेरा मानना है कि पेड़ माँ के पुत्र हैं जो न केवल हमारी सेवा और सुविधा प्रदान करते हैं बल्कि बदले में कुछ नहीं मांगते हैं। हम अपने दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली अधिकांश चीजें जैसे फल, सब्जियां, दवाएं, फर्नीचर, रबर आदि पेड़ों की उपज हैं।

माँ को प्रकृति कहा गया है, और जपजी साहिब में लिखा है कि पृथ्वी हमारी माता है।

एक माँ ही सबका ख्याल रख सकती है; इसी तरह, एक माँ पेड़ों को गोद ले सकती है और प्यार और स्नेह से उनका पालन-पोषण कर सकती है; मां की गोद में सारा संसार रचा जा सकता है।

पेड़ों को हमारी धरती का हरा सोना माना जाता है। वे हमारी हवा को शुद्ध करते हैं और हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। दुर्भाग्य से पृथ्वी का यह हरा सोना कम हो गया है जिसके परिणामस्वरूप वायु प्रदूषण और अन्य समस्याएं हुई हैं।

ट्री हग अभियान

[www.treehug.in]

20,000+

Tree hugs

आप इसका अनुभव करके अपने आप को ठीक कर सकते हैं; अगर हम प्रकृति से प्यार करते हैं और हर दिन उसका शुक्रिया अदा करते हैं, तो यह हमें ठीक कर देगा। इसके अलावा, वे हमें आश्रय और छाया प्रदान करते हैं। इसके अलावा पेड़ों से बहुत सारी दवाएं बनाई जाती हैं। वे मनुष्यों और जानवरों के लिए बहुत मूल्यवान हैं। पेड़ हमारी धरती मां के प्राकृतिक परिस्थिति की तंत्र को संतुलित करते हैं। वे हवा को शुद्ध करते हैं और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने और पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। पेड़ों की कमी के कारण हम सभी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ट्री हग एक अभियान है जो लोगों को प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ट्री हग सुंदर और राजसी दोनों हैं। एक खजाना जिसे हमें अपने जीवन और अपने ग्रह के जीवन के लिए तलाशना चाहिए। पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह पेड़ों को बचाएं और पड़ोस में दूसरों को प्रोत्साहित करें और पृथ्वी को सुंदर बनाने के लिए नए पेड़ लगाने और बचाने के लिए सलाह दें।

अंत में मैं आपका ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि पेड़ों की अनावश्यक कटाई एक जघन्य कृत्य है। बेवजह पेड़ों को काटने वालों के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए। जो लोग पेड़ों के मूल्य और महत्व को नहीं जानते हैं, उन्हें हमारे लिए पेड़ों के महत्व को समझना सिखाया जाना चाहिए। हमें अपनी धरती मां के लिए पेड़ों के महत्व और महत्व

स्वच्छता किट अभियान

5	10000+	2000+
अभियान	वितरण	मुस्कान

समस्या

भारत में केवल 36 प्रतिशत महिलाएं ही पीरियड्स के दौरान सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करती हैं। जब एक लड़की को अपने मासिक धर्म को स्वस्थ तरीके से प्रबंधित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तो यह उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई समस्याएं पैदा कर सकता है। न केवल उसे संक्रमण का खतरा होगा, बल्कि उसकी शिक्षा, आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास को भी बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। साथ ही बाजार में उपलब्ध पारंपरिक सैनिटरी पैड और टैम्पोन प्लास्टिक से भरे होते हैं। ये मासिक धर्म उत्पाद दुनिया भर में ज्यादातर महिलाओं द्वारा प्रति माह कम से कम 4-6 दिनों के लिए उपयोग किए जाते हैं। इसका मतलब है कि वैश्विक स्तर पर हर महीने भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है।

हमारा समाधान

स्वच्छता किट वितरण एक सरल विचार है और इस सादगी के भीतर इसकी अंतर्निहित प्रतिभा निहित है। इस पहल का उद्देश्य दानदाताओं, स्वयंसेवकों और जरूरतमंद लोगों के बीच एक सेतु बनना है। दाता दान कर सकते हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह उसी के लिए जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हमारी टीम इस मुद्दे पर महिलाओं को शिक्षित करने और इससे निपटने के तरीके के बारे में झुग्गी-झोपड़ियों/दूर-दराज के इलाकों का दौरा करेगी। हम मासिक धर्म के स्वास्थ्य को लक्षित कर रहे हैं जिसे सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रमों के माध्यम से संबोधित करने की आवश्यकता है।

प्रभाव

प्राथमिक उद्देश्य स्वच्छता को शिक्षित करना और किट वितरित करना है। और फिर सूक्ष्म उद्यमी बनने में रुचि रखने वाले महिला समूहों की पहचान करें, और प्रशिक्षण प्रदान करें और कुछ मामलों में मशीन की खरीद के वित्तपोषण में सहायता प्रदान करें।

महिला समूहः

- मशीनें खरीद
- उत्पादन प्रक्रिया को व्यवस्थित करें
- कच्चे माल की खरीद
- मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में ज्ञान साझा करें
- मौखिक विज्ञापन में संलग्न हों, और
- उपभोक्ताओं को बिक्री के लिए घर-घर, या मशीन विक्रेता को घर-घर जाकर पैड बेचें।

इस मॉडल के लिए एक बड़े अग्रिम निवेश की आवश्यकता है, यह ग्रामीण महिलाओं के लिए एक निरंतर राजस्व धारा उत्पन्न करता है।

कोविड -19 लॉकडाउन के दौरान सहायता

हमारे 10 किलो के हैप्पीनेस पैक में 2 किलो चावल, पांच किलो दाल, दो किलो चीनी, एक किलो नमक और दो लीटर तेल है... यह 10 किलो से थोड़ा ज्यादा है। यह 10 किलोग्राम का पैकेज पिछले कुछ महीनों में जरूरतमंदों को सौंपा गया है, ताकि साथी नागरिकों को COVID-19 महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन की कड़ी से निपटने में मदद मिल सके।

2000+ परिवार

20000kg राशन

5000+ मुस्कान

कोरोना योद्धा पुरस्कार

Delhi Sikh Gurdwara Management Committee

CORONA WARRIOR

Certificate of Appreciation

Chatr Singh *Guan Kaur* *Ratan Singh* *Balwinder Kaur* *Mandeep Kaur*

Gurdeep Kaur *Sahiba Kaur* *Ganga Kaur* *Preeti Singh* *Satender Singh*

For his kind contribution to ***Delhi Sikh Gurdwara Management Committee*** for the service of humanity during the COVID-19 pandemic.

Manjinder Singh Sirsa
President, DSGMC

Harmeet Singh Kalka
General Secretary, DSGMC

स्वच्छता किट वितरण

कोरोना वायरस महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन ने हमें कई तरह से प्रभावित किया है, लेकिन इसने समाज के गरीबों और हाशिए के वर्गों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। इसके परिणामस्वरूप आर्थिक संकट पैदा हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों और प्रवासी मजदूरों की आजीविका का नुकसान हुआ है। इस संकट के दौरान, देश भर के गैर सरकारी संगठन इन कमजोर समूहों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराकर मदद के लिए आगे आए हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने और संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए स्वच्छता कार्यकर्ताओं, आवश्यक सेवा प्रदाताओं और प्रवासी श्रमिकों को लगभग 50,000 हैंड सैनिटाइज़र, 1,00,000 फेस मास्क, 55,000 साबुन प्रदान किए गए।

The kit includes :

- Rin Bar Soap.
- Tooth Paste.
- Tooth Brush.
- One Mask.
- Sanitizer.
- Oil.
- Dettol Soap.
- Coil.

महिला सशक्तिकरण

पिछले वर्षों में महिलाओं को पुरुषों के हाथों बहुत पीड़ा हुई है, और यह उनकी स्थिति को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने और सशक्त बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है आज के समाज में। लैंगिक समानता एक प्रमुख कारक है, जो एक निकट से बंधे हुए और के निर्माण के लिए आवश्यक है देश भर में सामाजिक वातावरण का पोषण। बहुत सारे मुद्दे हैं जो हमारे समाज में महिलाओं की निम्न स्थिति को चित्रित करते हैं और की राशि पर प्रकाश डालते हैं अनादर कि वे जीवन भर अनुभव करते हैं।

महिलाएं समान रूप से अपने पैरों पर खड़े होने, अपने अधिकारों के लिए लड़ने और के लिए समान रूप से सक्षम हैं उनके जीवन को आकार देने के लिए स्वतंत्र निर्णय लें, और शिक्षा एक ऐसा साधन है जो उन्हें खुद को बेहतर तरीके से जानने, असाधारण कौशल सीखने, उनका विकास करने में मदद कर सकते हैं व्यक्तित्व और उन्हें स्वतंत्र और आत्मविश्वासी व्यक्ति बनाते हैं। विश्व सत्संग सभा उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अथक प्रयास कर रही है महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिवर्तन और उन्होंने शुरू किया महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के उद्देश्य से परियोजना सिलाई कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से।

इस परियोजना ने बड़ी संख्या में महिलाओं के जीवन को प्रभावित किया है और मदद की है वे अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाकर समाज में अपनी स्थिति का उत्थान करते हैं। लगभग 73 महिलाओं ने सिलाई का यह कोर्स पूरा कर लिया है उसी के लिए एक प्रमाण पत्र प्रदान किया। इससे उन्हें अपने में सुधार करने में बहुत मदद मिली कलात्मक और बातचीत कौशल और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करना। उन 73 में से लगभग 35 महिलाएं आत्मनिर्भर हैं और जीविकोपार्जन करने में सक्षम हैं सिंगर सिलाई मशीनों का उपयोग करके अपने सीखे हुए कौशल का उपयोग करने के लिए समाज में सम्मान और समानता अर्जित करना।

अच्छा बुरा स्पर्श अभियान

दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह सभी शहर के स्कूलों को अपनी सुबह की सभाओं के दौरान छात्रों और कर्मचारियों के सदस्यों के बीच "बाल यौन शोषण" के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कहें। पिछले दो वर्षों में प्राप्त बाल यौन शोषण की शिकायतों का विश्लेषण करते हुए, आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि 11% मामलों में, स्कूल या तो वह स्थान था जहां अपराध हुआ था या अपराधी स्कूल का कोई व्यक्ति था। "आयोग ने यह भी देखा कि बाल यौन शोषण के लगभग 70% मामलों में, अपराधी पीड़िता को जानता था। डीसीपीसीआर ने स्कूली बच्चों और स्टाफ सदस्य के बीच जागरूकता फैलाने का फैसला किया है। आयोग ने शिक्षा विभाग (डीओई) से स्कूलों को बाल यौन शोषण, बाल सुरक्षा, बाल तस्करी और गुड टच / बैड टच जैसे विषयों पर सप्ताह में कम से कम एक गतिविधि आयोजित करने के लिए कहा।

20 स्कूल

1500 छात्र

जूता वितरण अभियान

republichindustan.com

Hindustan

Home › राज्य › फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ विश्व सत्संग सभा और नामधारी...

राज्य

फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ विश्व सत्संग सभा और नामधारी संगत ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

By **admin** - August 15, 2020 13 0

फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ विश्व सत्संग सभा और नामधारी संगत ने धूमधाम से मनाया है 74वा स्वतंत्रता दिवस स्वतंत्रता दिवस पर फूटपाथ पर रह रहे बच्चों को शिक्षा

13:05 बारिश हुई। झार

1000 जोड़े

लाखों मुस्कान

5000 लक्ष्य

भारत में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे बहुत गरीब परिवारों से आते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के लिए एक जोड़ी स्कूली जूते भी नहीं खरीद सकते। हालाँकि अकेले जूते उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान नहीं करते हैं, लेकिन हम सभी इस बात से सहमत हैं कि यह बच्चों को उनके आत्म-सम्मान का निर्माण करने और आशा देने में मदद करता है। जूतों की एक जोड़ी यह सुनिश्चित करेगी कि बच्चे के पैर संक्रमण और चोटों से सुरक्षित रहें। पूरे यूनिफॉर्म में स्कूल जाने वाला बच्चा देखने में बहुत आनंदित होता है।

चिकित्सा शिविर

पी एच डी वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर (सामान्य स्वास्थ्य)। ये शिविर पश्चिम दिल्ली के आसपास सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। चिकित्सा शिविर से एक दिन पहले स्वयंसेवकों की एक टीम पैम्फलेट के प्रचार और वितरण के लिए क्षेत्रों में जाती है। पर्चे चिकित्सा शिविर, उसके स्थान, समय और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं जो उपलब्ध होंगे।

3
शिविर

500+
रोगी

15+
स्वयंसेवक

चिकित्सा शिविर

पीएचडी वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर (सामान्य स्वास्थ्य)

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

चित्रकारी प्रतियोगिता

कोरोना वायरस ने सार्वजनिक जीवन को बाधित कर दिया है और शहर में कम आय वाले लोगों और मलिन बस्तियों में रहने वाले वंचित बच्चों की संख्या को कम कर दिया है। तो इस कोरोना महामारी में इन वंचित बच्चों की थकान को कम करने के लिए। इस झुग्गी बस्ती में लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए संगठन द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कुल 50 बच्चों के साथ, हमने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह पर एक विषय के साथ एक चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में सभी को बिना कोई विशिष्ट पुरस्कार दिए पुरस्कृत किया जाता है।

जीवंत और गौरवशाली त्योहार उत्सव

उत्सव के क्षण

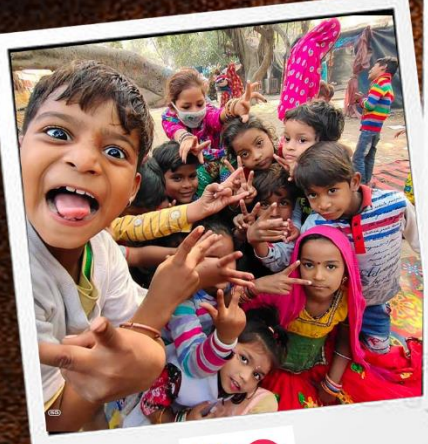

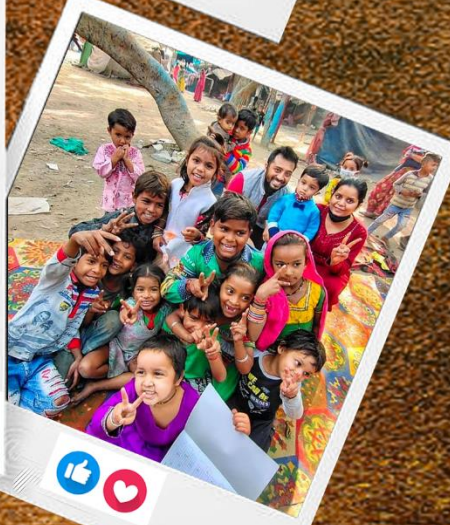

2020 - 21

Publication | प्रकाशन

अशिक्षित बच्चों को शिक्षा देकर स्कूल तक पहुँचाने का कार्य करेगी यह विश्व सत्संग सभा संस्था

नई दिल्ली। विश्व सत्संग सभा पिछले कई वर्षों से मलिन बस्तियों और सड़कों में अपना समय बिताने वाले बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रही है। इस संस्था के गुरु सतगुरु दलिप सिंह जी के द्वारा दिखाए रास्तों पर चल कर आज इस संस्था ने रघुबीर नगर में 'अध्ययन पाठशाला' का निर्माण किया, जिसमें जो सब बच्चे जो शिक्षा से कहीं या कहीं वंचित रह गए थे, उन बच्चों को शिक्षा दे कर स्कूल तक पहुँचाने का कार्य के संस्था द्वारा किया जाएगा। आज उत्तर भारत में लगभग 6000 बच्चे इस संस्था कर साथ जुट चुके हैं और इन में से काफी बच्चे स्कूल जाना शुरू हो गए हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ साथ उनके व्यक्तित्व पर भी काम करेगी और ऐसी कई जगहों पर भी लेकर जाएँगे यहाँ इन बच्चों भारत और संस्कृत के बारे में सीखने को मिले। इस कार्यक्रम में रघुबीर नगर के प्रधान पेरेंटर खंडेलवाल, लोकेश गोयल, गुरदीप सिंह, रमन कोहली, मनजीत सिंह, भगत सिंह, साहिब कौर और प्रीति सिंह जी शामिल रहे। ये संस्था आप सब से हाथ जोड़ कर निम्र निवेदन करती है की आप सब भी अपने समय से कुछ समय इन बच्चों को दे ताकी सबके साथ से हो सबकी तरक्की।

Home > News

News

महामारी में फिर सामने आयी विश्व सत्संग सभा :- ठाकुर दलीप सिंघ

By Sahil - April 1, 2020 11 0

आज सारा विश्व कोरोना नाम की घातक बीमारी (महामारी) से जूझ रहा है। इस महामारी से कई लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। सरकार, प्रशासन द्वारा लोगों को राशन और खाना दिया जा रहा है पर फिर भी कभी कभार ऐसी ही यहाँ सामान पहुँचने में परेशानी हो रही थी सो फिर प्रशासन द्वारा लगाए सिविर दूर थे। विश्व सत्संग सभा के सारे सहयोगियों ने इन जगहों में जा कर खाना और राशन दिया।

सुल्तानपुरी में रह रहे ५००० सिकलीगढ़ सिखों ने बहुत ही गुहार लगायी मगर उन तक कोई पहुँच ना पाया, अजमेर सिंघ जो यहाँ के प्रधान है उन्होंने सतगुरु दलिप सिंघ जी द्वारा सतगुरु जी की प्रेरणा से आगे सिंघ और प्रवचन में भाग लिया उन्हे

फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ विश्व सत्संग सभा और नामधारी संगत ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

अजीत समाचार

चिक रोड

'पुलिसकर्मी बधाई और सराहना के योग्य'

आज सारा विश्व कोरोना नाम की घातक बीमारी (महामारी) से जूझ रहा है। इस महामारी से कई लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। सरकार, प्रशासन और डॉक्टर महामारी से निपटने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। पर इनके साथ ही इस बीमारी को नियंत्रित करने में हमारे देश के पुलिसकर्मी भी बहुत योगदान दे रहे हैं। यह कहना है नामधारी पंथ के वर्तमान मुखी ठाकुर दलीप सिंघ का। ठाकुर ने कहा कि हमारे पुलिस कर्मचारी दिन हो या रात, सर्दी हो या गर्मी या कोई त्यौहार आप पुलिस को अपना फर्ज निभाते हुए अक्सर देखते हो और अब जबकि हमारा पूरा देश भी इस बीमारी से त्रस्त है, फिर भी वह अपनी जान पर खेलकर दूसरों को बचा रहे हैं। इसलिए हमारे पुलिस कर्मचारी बधाई और सराहना के योग्य हैं। इस महामारी के समय पुलिस जरूरतमंद लोगों को अपने हाथों से रोजाना काम आने वाली वस्तुएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

विश्व सत्संग सभा कर रही सहायता

विश्व सत्संग सभा ने सतगुरु दलीप सिंघ के निर्देश पर सुल्तानपुरी में रह रहे 5000 सिकलीगढ़ सिखों के लिए 7 दिन के लंगर का इंतजाम किया। इसके साथ ही संस्था द्वारा मोहल्लों को साफ करने का कार्य भी किया जा रहा है। यूनाइटेड सिख यहां लोगों की मदद कर रहा है। यहां के परिवारों को राशन भी दिया जा रहा है। विश्व सत्संग सभा की प्रीति सिंह ने बताया कि संकट के इन दिनों में सभी को आगे आकर मदद करनी चाहिए। सभा लोगों को यह संदेश भी दे रही है कि घर पर रहें और सुरक्षित रहें।

निजी स्कूलों ने प्रधानमंत्री से लगाई गुहार

संपत्ति योजना 30 पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने राहत प्रदान क की समय सी दिल्ली की मह कोरोना वायर पूर्वी दिल्ली न योजना 2019- दिया है। इसके क्षेत्र में संपत्ति के ब्याज और रहा है। महापौ आदेश जारी व फैसला लिया समिति एमवी के कारण संपत्ति के लिए 2019 2020-21 में

'निब

एलपीजी की कोई घबराएं

लॉकडाउन पार्ट-2 की सशर्त अनुमति से व्यापार पर होगा कैसा और कितना असर

प्रीति सिंघ
(कोषाध्यक्ष : विश्व सत्संग सभा)

आज लॉक डाउन की बढ़ाना उतना ही जरूरी था जितना अपने आप के लिए या परिवार के लिए साँसें... अगर हम स्वस्थ रहेंगे तभी तो सब ठीक रहेगा, तभी हम हर वो खुशी मना पाएँगे जो हम पहले भी मनाते आ रहे हैं। लॉक डाउन से इकनॉमी को बहुत नुकसान हो रहा है पर ये सब हम वापस ला सकते हैं अगर हमारा शरीर, मन, और दिमाग तंदरुस्त रहेंगे, इस समय हमें अपना और अपने परिवार का ध्यान रखना है। लॉक डाउन बढ़ने से मध्यम वर्ग के लोगों को भी जरूरत है क्योंकि ये एक ऐसा वर्ग है जो कभी भी कुछ कहता या माँगता नहीं मगर जरूरत तो हर इंसान की है। जी हाँ हमारे प्रधानमंत्री जी ने लॉक डाउन में हर उस चीज का ध्यान रखा है जिसकी शायद हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उनका हर निर्णय हर एक से पूछकर और हर जगह, स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन विभाग से पूछकर ही किया जाता है। लॉकडाउन का आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, ये सब तो हम लोगों पर निर्भर है अगर हम लोग सोशल डिस्टेंसिंग को सही से मानेंगे तो ये आगे नहीं भी बढ़ सकता है।

नवदृष्टि टाइम्स

Mo. 8800229899 Email :- missionndt@gmail.com Website :- navdrishtitimes.com

विश्व सत्संग सभा संस्था अशिक्षित बच्चों को शिक्षा देकर स्कूल तक पहुँचाने का कार्य करेगी

विश्व सत्संग सभा पिछले कई वर्षों से मलिन बस्तियों में और सड़कों में अपना समय बिताने वाले बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रही है। इस संस्था के गुरु सतगुरु दलिप सिंघ जी के द्वारा दिखाए रास्तों पर चल कर आज इस संस्था ने रघुबीर नगर में 'अध्ययन पाठशाला' का निर्माण किया, जिसमें जो सब बच्चों जो शिक्षा से कहीं या कहीं वंचित रह गए थे, उन बच्चों को शिक्षा दे कर स्कूल तक पहुँचाने का कार्य के संस्था द्वारा किया जाएगा।

आज उत्तर भारत में लगभग ६००० बच्चे इस संस्था के साथ जुड़ चुके हैं और इनमें से काफी बच्चे स्कूल जाना शुरू हो गए हैं। ये संस्था बच्चों को शिक्षा के साथ साथ उनके व्यक्तित्व पर भी काम करेगी और ऐसी कई जगहों पर भी लेकर जाएँगे जहां इन बच्चों भारत और संस्कृत के बारे में सीखने को मिल सके। इस कार्यक्रम में रघुबीर नगर के प्रधान पेरेंटर खंडेलवाल, लोकेश गोयल, गुरदीप सिंघ, रमन कोहली, मनजीत सिंह, भग सिंघ, साहिब कौर और प्रीति सिंघ जी शामिल रहे। ये संस्था आप सब से हाथ जोड़ कर निम्र निवेदन करती है की आप सब भी अपने समय से कुछ समय इन बच्चों को दे ताकी सबके साथ से होगा सबका विकास।

फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ विश्व सत्संग सभा और नामधारी संगत ने धूमधाम से मनाया है 74वा स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर फूटपाथ पर रह रहे बच्चों को शिक्षा

विश्व सत्संग सभा ने गरीब बच्चों के लिए खोली पाठशाला

विश्व संस्था सभा के अधिकारी व वर्कर बच्चों के साथ।

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर (बलविन्द्र सिंह सोढी): विश्व सत्संग सभा पिछले समय से लगातार समाज सेवा में जुटी हुई हैं। संस्था के द्वारा दिल्ली के रघुबीर नगर, एक पाठशालाका प्रबंध किया है। जिसके बीच उन बच्चों को लिया जा रहा है जोकि पढ़ाई के प्रति बिल्कुल वंचित रह गये हैं और न ही उनके पास कोई साधन या पैसे हैं। इसके साथ ही उनके परिवारों में कितनी गरीबी है कि वह अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए असमर्थ हैं। विश्व सत्संग सभा के सभी अधिकारी व वर्कर ऐसे बच्चों को पढ़ाई करवाने और बाद में उनको स्कूलों को भेजने में सहायता करेंगे। इस अवसर पर दविन्द्र खंडेलवाल, प्रीती सिंह, साहिबा कौर, रमन कोहली, गुरदीप सिंह, लोकेश गोयल आदि शामिल हैं।

रोजाना२४,नई दिल्ली : विश्व सत्संग सभा ने आज स्वतंत्रता दिवस पर कुछ अलग प्रकार का आयोजन किया.इस अवसर पर सभा के पदाधिकारियों ने फूटपाथ पर रह रहे बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया।सभा सदस्यों द्वारा बच्चों को शिक्षा सम्बन्धी सामान, जूते,मास्क, और खाने का सामान बाँटा गया।और बच्चों को शिक्षा का महत्व भी समझाया गया ताकि बच्चे भीख माँगना छोड़ कर शिक्षा की तरफ़ ध्यान दें। नामधारी समाज के प्रथम गुरु राम सिंह के बारे में भी बताया की किस तरह उनका योगदान देश को आज़ादी दिलवाने में रहा .ये संस्था आत्मनिर्भरता पर ध्यान देते हुए काफ़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना चुकी है।इस कार्यक्रम में अरविन्दर सिंह, मनजीत सिंह, करन सिंह, सतनाम कौर, सरोज कौर, शरणजीत कौर, साहिबा कौर, प्रीति सिंघ का अग्रणी योगदान रहा।

कोविड 19 महामारी के दौरान लाइव सत्र

हमारी टीम ने COVID-19 महामारी के दौरान लोगों के बीच तनाव, चिंता, स्वास्थ्य और वित्तीय जानकारी के प्रबंधन पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किया। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कार्यक्रम के माध्यम से 20000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान संसाधन व्यक्ति द्वारा भारत भर के लोगों से बड़ी संख्या में प्रश्नों का समाधान किया गया

Dr.Neelam Sagar
Psychology and Mental Health

Views 1.9 K | 18 May 2020

Dr. Ramola Madnani
Acupressure and Health

Views 11.4K | 5 June 2020

Dr. Shalu Gupta
Strengthening Digestive System Through Naturopathy

Views 4.4K | 9 July 2020

Dr. Amit Kaur Puri
Sikhism, Environment and Women Empowerment

Views 8.1 K | 22 May 2020

DR. S.P Singh
Ayurved and Health

Views 7k | 28 May 2020

Sh. Vijay Kumar
MSME Director
MSME Benefits

Views 2.5k | 12 June 2020

LIVE

पुलिस की सेवा करें

पुलिस वाले बुरे नहीं होते; दिल से वे अच्छे लोग होते हैं। आम छोटे पुलिस कर्मचारी दिन-रात जाग कर बहुत कठिन काम करते है। कड़क ठंड व गरमी में खड़े होकर लोगों की सेवा करते है। सप्ताहिक छुटी तो क्या, इनको त्यौहारों पर भी छुटी नहीं मिलती। इन पुलिस वालों को जहाँ भी काम में लगे देखो: इनको जल-पान कराओ। इनकी शोभा करो और यह कह कर देखो "आप गरमी और ठंड में 18 घंटे खड़े होकर बहुत ही कठिन सेवा करते हैं। निर्दोष और गरीबों को तंग न किया करो। लोगों से प्रेम करो जिससे आपकी छवी बढिया बन सके।

सच्ची शोभा सुन कर, पुलिस वालों का मन पिघल जाएगा। वो अपनी बुराईयाँ दूर करके श्रद्धा से लोक-सेवा करेंगे। बिना कारण पुलिस वालों की निंदा न करो। सोचो! पुलिस को क्या जरूरत है, कि बिना कारण किसी को तंग करें। विचार करें! पुलिस से गलत काम कौन करवाता है? उत्तर: हम और बड़े लोग। सच्चाई यह है: पुलिस को किसी से कोई विरोध नहीं होता, उन्होंने तो नौकरी करनी है। नौकरी देने वाला, उनसे जो चाहे (गलत व ठीक काम) करवाले।

पुलिस वाले भ्रष्ट नहीं वह भी अच्छे लोग हैं। इनका सत्कार करो। सोचने की जरूरत है, यदि पुलिस वाले न हो तो समाज का प्रबंध कितना बिगड़ जाऐगा। हर किसी की अच्छाई देखनी चाहिए, बुराई नहीं। बुराईयाँ तो अपने मे ही बहुत है, अपनी बुराईयाँ ढूंढ कर उन्हें दूर करें।

CERTIFICATE

OF APPRECIATION

2020 AWARD

ਦਿੱਲੀ ਘੱਟ ਗਿਣਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨ
दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग
دہلی اقلیتی کمیشن
DELHI MINORITIES COMMISSION
GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
C-BLOCK 1st FLOOR, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002
Telefax : 23370825, 9911142151
E-mail : dmc_nct@rediffmail.com, chair.dmc@gmail.com
Website : www.dmc.delhigovt.nic.in

DR. ZAFARUL-ISLAM KHAN
CHAIRMAN

No. F. PA/Chairman/DMC/GNCTD/2020/441 7 June, 2020

Dear Friend,

Delhi Minorities Commission is glad to recognise, honour and celebrate your endevours, success and contributions to society.

Due to the current logistics problems under Covid19-related lockdown, award certificates could not be readied in time and we had to distribute the awards with shields and booklets only. Now the certificates are ready and I have pleasure to send you herewith your certificate as well.

Once again we salute you and hope that your contributions to society and country will continue in the coming years to make India a great, powerful and caring country. *Jai Hind!*

Yours sincerely,

Dr Zafarul-Islam Khan

सदस्य

राष्ट्र की बेहतरी के लिए नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता है ताकि वंचित बच्चों को जीवित रहने, शिक्षा, बुनियादी स्वास्थ्य, विकास और भागीदारी का अधिकार प्राप्त हो। महिला सशक्तिकरण लैंगिक समानता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जहां पुरुषों और महिलाओं दोनों के पास शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आर्थिक भागीदारी और व्यक्तिगत विकास के लिए समान शक्ति और अवसर हैं।

जतिंदर सिंह
[अध्यक्ष]

गुरचरण सिंह
[सचिव]

प्रीति सिंह
[कोषाध्यक्ष]

नवराज सिंह
[सामान्य सचिव]

नारायण सिंह
[सदस्य]

जसबीर सिंह
[सदस्य]

रतनजीत सिंह
[सदस्य]

सतनाम सिंह
[सदस्य]

विशव सत्संग सभा

179, Housing Board Colony Jharsa Road, Gurgaon, Haryana- 122007
Info@vishavsatsangsabha.org +91 99100-32491, 98733-16082

All Donation to Vishav Satsang Sabha for any of its Project is subject to Exemption of Tax @50% U/s 80G of I.T act 1961.

Saving Account	Vishav Satsang Sabha
Bank Name	Punjab & Sind Bank
Account Number	03531000057688
IFSC Code	PSIB0000353

www.VishavSatsangSabha.org

VSSBHARAT